ES-221/ES-221 (Revised)

DIPLOMA IN PRIMARY EDUCATION (DPE)

Term-End Examination

December, 2015 01166

ES-221 : UNDERSTANDING THE PRIMARY SCHOOL CHILD

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i)* ***All*** *questions are* ***compulsory.***

(ii) ***All*** *questions carry* ***equal*** *weightage.*

1. Answer the following question in about **600** words :

   Discuss concept of child development with example. Explain that child development is marked by three interrelated processes of differentiation, integration and learning.

   OR

   What is meant by emotional development ? Discuss pattern of emotional development during infancy and early childhood.

2. Answer the following question in about **600** words :

   Discuss various psychological needs of primary school children.

   OR

   Discuss a few basic points of Piaget's theory of child development.

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words :

(a) What is the significance of conservation of numbers in child's learning ? Explain with example.

(b) Discuss the role of teachers in promoting a balanced socio-emotional development among children at primary stage.

(c) What are the various forms of gender discrimination in India ? Elucidate.

(d) Discuss characteristics of integrated personality.

(e) How Integrated Child Development Services (I.C.D.S.) is promoting child's holistic development ? Explain.

(f) What factors influence physical and motor development of child ? Discuss.

4. Answer the following question in about **600** words :

Make a list of types of play you have seen stating their significance for child development. Examine critically the adequacy of opportunities of play to children.

प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा (डी.पी.ई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

ई.एस. - 221 : प्राथमिक विद्यालयी बालक को समझना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों की भारिता* ***समान*** *है।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
बाल विकास की संकल्पना को उदाहरण के द्वारा समझाइये। बाल-विकास में तीन अंतर्संबंधित प्रक्रियायें विभेदन, एकीकरण तथा सीखना उल्लेखित हैं वर्णन कीजिए।

अथवा

संवेदात्मक विकास से क्या तात्पर्य है? शैशवावस्था तथा पूर्व बाल्यावस्था के दौरान संवेदात्मक विकास के स्वरूप की चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
प्राथमिक विद्यालयी बच्चों की विभिन्न मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

बाल-विकास के पियाजे के सिद्धांत के कुछ मूलभूत बिन्दुओं की चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं चार** का उत्तर (प्रत्येक का लगभग **150** शब्दों में) दीजिए :

(a) बच्चे के सीखने में अंकों के संरक्षण का क्या महत्व है, उदाहरण के द्वारा समझाइये।

(b) प्राथमिक स्तर के बच्चों में एक संतुलित सामाजिक-संवेगात्मक विकास बढ़ाने में शिक्षक की भूमिका समझाइये।

(c) भारत में लिंग विभेदन के विभिन्न प्रकार कौन से हैं? स्पष्ट कीजिए।

(d) एकीकृत व्यक्तित्व की विशेषतायें बताइये।

(e) एकीकृत बाल विकास योजना (I.C.D.S.) किस प्रकार बच्चे के समग्र विकास को बढ़ाती है? समझाइये।

(f) बच्चे के शारीरिक और गतिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक कौन से हैं? चर्चा करें।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

उन खेलों की सूची बनाइये जिन्हें आपने देखा है, उनका बच्चे के विकास में योगदान या महत्व बताइये। बच्चों के लिये खेलों के अवसरों की पर्याप्तता का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा (डी.पी.ई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

ई.एस. - 221 (संशोधित) : प्राथमिक विद्यालयी बालक को समझना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी चारों** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) ***सभी** प्रश्नों की भारिता **समान** है।*

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए : 'बच्चे के सामाजिक विश्व' का वर्णन कीजिए। परिवार और जाति बच्चे के सामाजिक विश्व को कैसे प्रभावित करते हैं? चर्चा कीजिए।

अथवा

गरीबी बच्चों की शिक्षा को कैसे प्रभावित करती है? हाशिए के और सामाजिक रूप से बहिष्कृत-बच्चों को विद्यालयों में सहभागिता के लिए केन्द्र सरकार द्वारा चलाई गए किन्हीं दो कार्यक्रमों की उदाहरण देकर चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए : विद्यालय और कक्षा के विकासात्मक परिप्रेक्ष्य से आप क्या समझते हैं? बच्चों को समझने के सामान्य तरीके और कक्षा की कुछ सामान्य समस्याएँ अध्यापक को प्रभावशाली बनने में किस प्रकार सहायक होते हैं? चर्चा कीजिए।

अथवा

बाल-केन्द्रित शिक्षा में शिक्षक की भूमिका का वर्णन कीजिए। प्रारम्भिक विद्यालयों में मूल्यांकन एवं परीक्षा की भूमिका की उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए :

(a) प्रेक्षण की एक शोध उपकरण के रूप में उपयोगिता पर टिप्पणी लिखिए।

(b) विद्यालय संस्कृति के निर्माण में उसके मूल्यों, मान्यताओं और रीतियों पर चर्चा कीजिए।

(c) बच्चे के सामाजीकरण में समकक्षियों का क्या महत्व होता है?

(d) बच्चे का सांस्कृतिक वातावरण उसके विकास को कैसे प्रभावित करता है?

(e) एक शिक्षक को बच्चे और बाल्यावस्था की धारणाओं को समझना क्यों आवश्यक है?

(f) प्रारंभिक विद्यालयी बच्चों के मनोवैज्ञानिक विकास संवर्धन में शिक्षक की भूमिका की चर्चा कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :
मनोगत्यात्मक विकास से आप क्या समझते हैं? अपनी कक्षा के बच्चों में स्थूल एवं सूक्ष्म गत्यात्मक कौशलों को प्रोत्साहित करने के लिए किन्हीं दो (प्रत्येक में कम से कम एक गतिविधि हो) गतिविधियों का विवरण दे, और चर्चा करें कि ये गतिविधियाँ मनोगत्यात्मक विकास में कैसे सहायक हैं?